NISTARINI COLLEGE PURULIA

(Govt. sponsored and affiliated to Sidho-Kanho-Birsha University)

हिन्दी विभाग

PROGRAM OUTCOME(PO), COURSE OUTCOME(CO),

PROGRAM SPESIFIC OUTCOME(PSO)

PROGRAM OUTCOME (PO)

1. इस पाठ्यक्रम का एक मात्र उद्देश्य है हिन्दी भाषा और साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना जागृत करना।

2. हिन्दी साहित्य के जरिए समाज प्रेम, राष्ट्रप्रेम और मानव–प्रेम को बढ़ाना।

3. नैतिक मूल्यों के प्रति उन्में आस्था को जागृत करना।

4. सुदूर ग्रामीण इलाकों के छात्राओं में हिन्दी भाषा का प्रचार–प्रसार करना।

5. हिन्दी साहित्य के विविध विधाएँ जैसे कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, एकांकी आदि के जरिए छात्राओं में साहित्य सृजन की भावनों को जागृत करना।

COURSE OUTCOME (CO)

PROGRAM COURSE IN HINDI (DSC, LCC, AECC ,SEC,GEN)

SEMESTER 1ST

COURSE TITLE- हिन्दी साहित्य का इतिहास

(हिन्दी साहित्य के सभी कालों से छात्राओं को परिचित करना)

1. प्रथम इकाई में हिन्दी साहित्य के विविध कालों का वर्गीकरण और नामकरण से जुड़ी नाना धारणओं को विद्यार्थियों को अवगत कराने का प्रयास करना। विभिन्न काव्य धारा जैसे सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासों काव्य से परिचय कराना।

2. दूसरी इकाई में हिन्दी साहित्य के स्वर्णकाल यानी भक्तिकाल का सामान्य परिचय के साथ–साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय कराने की प्रचेष्ठा की गई है।साथ ही साथ हिन्दी के सगुण और निर्गुण कवि जैसे कबीर, तुलसी, सूर जायसी आदि महान कवियों के जीवन से उन्हें प्ररित करना।

3. तीसरी इकाई में रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि से परिचित कराना। रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि जैसे केशव, बिहारी, घनानंद, भूषण आदि कवियों का परिचय कराना।

4. चौथी इकाई में नवजागरण, भारतेन्दु, द्विवेदी एवं राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों से परिचित कराना।

.

COURSE TITLE–हिन्दी भाषा और संप्रेषण

1. हिन्दी भाषा की परिभाषा, विशेष्ताओं से छात्राओं को परिचित करना।
2. वर्ण व्यवस्था, स्वरों के प्रकारों से छात्राओं को परिचित करना।
3. वर्णों का उच्चारण स्थान से छात्राओं को परिचित करना।
4. हिन्दी वाक्य रचना से छात्राओं को परिचित करना।
5. विभिन्न पत्राचार से छात्राओं को परिचित करना।

COURSE TITLE–हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण

1. हिन्दी भाषा का उद्भव, विकास एवं विशेषताओं से छात्राओं को परिचित कराना।

2. हिन्दी भाषा और व्याकरण के अंतर्गत क्रिया, विभक्ति, लिंग, अव्यय एवं 'ने' के प्रयोग इत्यादी से छात्राओं को परिचित कराना।

3. हिन्दी के पर्यावाची शब्द, विलोम शब्द, लोकोक्ति, मुहावरे, पल्लवन, संक्षेपन, साक्षात्कार, भाषण कला, संप्रेषण की अवधारणा इत्यादी से छात्राओं को अवगत कराना।

SEMESTER 2nd

COURSE TITLE- मध्यकालीन हिन्दी कविता

(भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन कवियों से छात्रों को परिचित करना)

1. कबीरदास का जीवन और उनकी साखियों से छात्राओं को परिचित कराना।
2. सूर का जीवन और उनकी पदों से छात्राओं को परिचित करना।
3. बिहारी का जीवन और उनके दाहों से छात्राओं को परिचित कराना।
4. तुलसीदास का जीवन और उनकी चौपाइयों से छात्राओं को परिचित कराना।

SEMESTER 3rd

COURSE TITLE- आधुनिक हिन्दी कविता

(आधुनिक हिन्दी कवियों से छात्रों को परिचित करना)

1. जयशंकर प्रसाद की कविताओं से छात्राओं को परिचित करना।

2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविताओं से छात्राओं को परिचित करना।

3. सच्चिदानंद हिरानंद वात्सायन अज्ञेय की कविताओं से छात्राओं को परिचित कराना।

4.नार्गाजुन की कविताओं से छात्राओं को परिचित कराना।

COURSE TITLE- कार्यलयी हिन्दी

1. कार्यलयी हिन्दी का अभिप्रायः एवं उद्देश्य से छात्राओं को परिचित कराना।

2. कार्यलयी हिन्दी के विविध क्षेत्रों से छात्राओं को परिचित करना।

3. कार्यलयी हिन्दी क्षेत्र, स्थिति और सम्भावनाओं से छात्राओं को परिचित कराना।

SEMESTER 4th

COURSE TITLE- हिन्दी गद्य साहित्य

(हिन्दी उपन्यास, कहानी और निबंध से छात्राओं को परिचित कराना)

1.जैनेन्द्र के उपन्यास **'त्यागपत्र'** के द्वारा पारिवारिक रिश्तों और कर्तव्यबोध से छात्राओं को अवगत कराना।

2. प्रसाद और प्रेमचंद की कहनियों के द्वारा समाजप्रेम, ईमानदारी और मानवतावादी विचारधारा से छात्राओं को अवगत कराना।

3. यशपाल और उषा प्रियंवदा के द्वारा मध्यम वर्गीय एवं निम्न वर्गीय भारतीय समाज में फैल रहे दिखावटीपन और आापसी दुराव की भावना में पनप रहे झूठे इन्सानों से छात्राओं को अवगत कराना।

4. शुक्ल और द्विवेदी के निबंधों के जरिए मानवीय शक्ति का विकास करने की प्रचेष्टा करना।

COURSE TITLE- चलचित्र लेखन

(भारतीय सिनेमा का सुनहरा इतिहास से छात्राओं को परिचित कराना)

1. भारतीय सिनेमा का सुनहरा इतिहास से छात्राओं को परिचित कराना।

2. मूक एवं सवाक फिल्मों की जानकारी देना।

3. प्रमुख निर्माता निर्देशक की जानकारी देना।

4. सिनेरियों एवं एड् फिल्मों काजानकारी देना।

SEMESTER 5th

COURSE TITLE- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(निराला की कविताओं और कथा साहित्य से छात्राओं को परिचित कराना)

1. निराला की कविताओं के माध्यम से पाठकों में छायावादी कल्पना, प्रेम एवं सौंदयबोध आदि को जागृत करना।

2. निराला की कविताओं के माध्यम से पाठकों में नवीन जीवन शैली, प्रेम, करुणा एवं उत्साह आदि को जागृत करना।

3. निराला की कविताओं के माध्यम से पाठकों में समानता, अन्याय के प्रति विरोध का स्वर को मुखर करना।

COURSE TITLE- भाषा शिक्षण

1. हिन्दी भाषा का उद्भव, विकास एवं विशेषताओं से छात्राओं को परिचित कराना।

2. हिन्दी भाषा और व्याकरण के अंतर्गत मानक वर्तनी, शुद्ध वाक्य प्रयोग इत्यादी से छात्राओं को परिचित कराना।

3. हिन्दी के पर्यावाची शब्द, विलोम शब्द, समानार्थक शब्द, अनेक शब्द के लिए एक शब्द, संप्रेषण की अवधारना इत्यादी से छात्राओं को अवगत कराना।

4. देवनागरी लिपि का इतिहास एवं हिन्दी भाषा का भविष्य इत्यादी से छात्राओं को अवगत कराना।

SEMESTER 6th

COURSE TITLE- समकालीन हिन्दी कविता

1. कवि धूमिल की कविताओं में ग्रमीण जीवन का यथार्थ से छात्राओं को परिचित कराना।

2. कवि रघुवीर की कविताओं में भारतीय राजनैतिक परिवेश से छात्राओं को परिचित कराना।

3. कवि धूमिल की कविताओं में ग्रमीण जीवन का यथार्थ से छात्राओं को परिचित कराना।

4. कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविताओं में जीवन का यथार्थ, कल्पना, प्रेम और सौंदर्य से छात्राओं को परिचित कराना।

COURSE TITLE- प्रयोजनमुलक हिन्दी

1. प्रयोजनमुलक हिन्दी का अभिप्रायः से छात्राओं को परिचित कराना।

2. प्रयोजनमुलक हिन्दी का प्रयोगात्मक क्षेत्रों से छात्राओं को परिचित कराना।

3. कम्प्यूटर का परिचय और विविध क्षेत्रों से छात्राओं को परिचित कराना।

4. अनुवाद शिक्षण, पत्र और संचार के विभिन्न माध्यमों से छात्राओं को परिचित कराना।

5. जनसंचार के माध्यमों से छात्राओं को परिचित कराना।

PROGRAM SPESIFIC OUTCOME (PSO)

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को इस तरह से सजाया गया है ताकि छात्राओं में साहित्य के प्रति रूचि पैदा हो।
2. ताकी छात्राओं में साहित्य सृजन के प्रति रूचि पैदा हो।
3. ताकी छात्राओं स्नातकोत्तर शिक्षा की ओर अग्रसर करना।
4. ताकी छात्राओं में भावात्मक शक्ति, कल्पना शक्ति और रचनात्मकता का विकास हो सके।